Topic - Social Disorganisation & Anomie
(Objective Q & A)

* थामस और नैनिकी ने 1927 में किसी समूह के सदस्यों को नियंत्रित करने वाले व्यवहारों की प्रभावहीनता को सामाजिक विघटन कहकर संबोधित किया था।
* ए० के० कोहन ने 1959 में सामाजिक विघटन को विचलित व्यवहार कहकर संबोधित किया था।
* सदरलैण्ड, वुडवर्ड और मैक्सवेल ने सामाजिक विघटन का अर्थ रूढ़ियों और संस्थाओं में संघर्ष माना है।
* दुर्खीम ने सामाजिक विघटन को प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों का परिणाम माना है।
* इलियट तथा मेरिल के अनुसार, "मानव समूह तथा समाज के संगठन में कुप्रबन्ध उत्पन्न होने का अर्थ है सामाजिक विघटन
* एम० जे० सेठना ने अपनी पुस्तक 'क्राइम एण्ड क्रिमिनोलॉजी' में सामाजिक विघटन को परिभाषित करते हुए लिखा है " सामाजिक विघटन वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत व्यक्तियों के सामूहिक संबंध लगभग नष्ट होने लगते हैं। तथा सहयोगी प्रक्रियाएं पूर्णतः समाप्त होती हुई प्रतीत होती है।"
* लेमर्ट के अनुसार "समाज के समूहों और संस्थाओं के असंतुलन और व्यापक संघर्ष सामाजिक विघटन है।"
* सामाजिक विघटन के कुछ प्रमुख सिद्धांत हैं -
सामाजिक समस्या का सिद्धांत - इस सिद्धांत के प्रतिपादक मावरर (Mowrer) हैं। प्रत्येक समाज में वृद्धावस्था, बेकारी, तलाक, अपराध आदि अनेक समस्याएं पायी जाती है। जिस समाज में ये सामाजिक समस्याएं जिस मात्रा में होगी, उस समाज में विघटन की गति भी उसी मात्रा में होगी।